दि. 18-799

सेवा में,

उपसचिव (ओ. एण्ड एम.)
प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग
नई दिल्ली।

विषय : प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार हेतु सुझाव
सन्दर्भ : आपका विज्ञापन (जुलाई 1999)

महोदय,

भारत सरकार के विभिन्न पदों के लिए होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार के लिए सुझाव हैं कि -

(1) आवेदन पत्र के साथ अनावश्यक चरित्र प्रमाण पत्र, अंकतालिका, सन्दर्भ व्यक्ति, अतिरिक्त लिफाफे, पता-पर्चियाँ तथा कागजात न माँगे जाएँ। यह केवल कार्य बोझ बढ़ाता है। बल्कि ये समस्त कागजात केवल साक्षात्कार के समय देखे जाएँ।

(2) सभी फोटोस्टेट प्रतियाँ, राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित करानी पड़ती हैं जो ब्रिटिश परम्पराओं की परिचायक हैं अतः आवेदक को यह अधिकार दिया जाए कि वह स्वयं ही अपने कागजात प्रमाणित कर यह घोषणा करे कि सभी तथ्य स-सत्य हैं। इससे धाँधली तथा झूठी मुहर लगाकर प्रमाणित करने की प्रवृत्ति समाप्-प्त होगी क्योंकि व्यक्ति स्वयं गलत कागजों को प्रमाणित नहीं करेगा।

(3) एक जैसी शैक्षणिक योग्यता, एक समान पद तथा एक जैसी भर्ती प्रणाली के समस्त पद अलग-अलग समय पर अलग-अलग भर्ती अभिकरणों से करवाने के बजाए एक ही राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाए। जैसे रेलवे, बैंकिंग, लिपिक ग्रेड इत्यादि परीक्षा।

इस प्रकार के प्रयासों से हम करोड़ों रुपये प्रतिवर्ष बचा सकते हैं।

सादर

भवदीय

(डॉ. सुरेन्द्र कुमार कटारिया)
पोस्ट बॉक्स नं. 20
सीकर - 332001

Scanned with OKEN Scanner